अपराजिता : वर्ष 53 अंक 01: 2025
स्थापना वर्ष : 1972 (प्रिंट), 2025 (ऑनलाइन)

स्वर्ण जयंती समारोह : श्री महंथ रामाश्रय दास स्नातकोत्तर महाविद्यालय की गौरवगाथा

प्रो. बृजेश कुमार जायसवाल
प्राचार्य

दिनांक 11 अक्टूबर 2025 को महाविद्यालय ने वह गौरव प्राप्त किया, जिसे पीढ़ियाँ स्मरण रखेंगी। उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री, परमश्रद्धेय योगी आदित्यनाथ जी ने महाविद्यालय में पधारकर स्वर्ण जयंती समारोह को दिव्य और ऐतिहासिक बना दिया। उनके करकमलों से- संस्थापक अध्यक्ष श्री महंथ रामाश्रय दास जी की मूर्ति का अनावरण व 'अपराजिता' स्वर्ण जयंती विशेषांक का विमोचन हुआ, जिसने महाविद्यालय की सृजनात्मक परंपरा को नई ऊँचाई प्रदान की। मुख्यमंत्री जी ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में ग्रामीण अंचल में शिक्षा के महत्व, युवा शक्ति की क्षमता, नैतिक मूल्यों की आवश्यकता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे संस्थान, जो शिक्षा को समाजनिर्माण के साथ- जोड़ते हैं, वे ही भविष्य के राष्ट्र की मजबूत नींव रखते हैं।

उनके द्वारा महाविद्यालय अध्यक्ष का विशेष सम्मान महाविद्यालय परिवार के लिए एक अनुपम गौरव का क्षण बना। यह सम्मान केवल किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि समूचे महाविद्यालय परिवार के परिश्रम, प्रतिबद्धता और संघर्षों की स्वीकारोक्ति था।

महाविद्यालय ने अपने स्थापना वर्ष 1972 से लेकर आज तक शिक्षा, संस्कृति और समाज-निर्माण के क्षेत्र में उत्कृष्टता की जो गौरवपूर्ण यात्रा तय की है, वह पूर्वांचल की शैक्षणिक विरासत में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में अंकित है। पूज्य महंथ श्री महंथ रामाश्रय दास जी महाराज के आशीर्वाद और प्रथम प्राचार्य कर्मयोगी डॉइंद्रदेव . तथा त्यागपूर्ण नेतृत्व ने इस संस्थान जी की दूरदृष्टि को वह पवित्र आधार प्रदान किया, जिस पर इसकी अर्धशतकीय यात्रा का विस्तृत भवन खड़ा है।

स्वर्ण जयंती समारोह की तैयारी और आयोजन में जिस प्रकार समाज के सभी वर्गों ने अपनी भूमिका निभाई, वह अभिभूत करने वाला था। तीन महीनों के भीतर क्षेत्र की जनता-पूर्व छात्रों, व्यापारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, अभिभावकों और स्थानीय नागरिकों-ने जिस व्यापक सहयोग का परिचय दिया, वह महाविद्यालय के प्रति जनमानस की अपार श्रद्धा का प्रमाण है। लगभग दस लाख रुपये से अधिक की राशि का संकलन केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि इस संस्था के प्रति भावनात्मक लगाव, सामाजिक सम्मान और नैतिक एकजुटता का प्रत्यक्ष संकेत है।

इसी सहयोग से महाविद्यालय परिसर में वैकल्पिक ऊर्जा के माध्यम से ऊर्जास्वावलंबन-, पुस्तकालय स्वचालन की अत्याधुनिक व्यवस्था, परिसर की हरियाली का पुनरोद्धार और छात्रों को वैश्विक पुस्तकालयों तक ऑनलाइन पहुंच की सुविधा संभव हो सकी। स्वर्ण जयंती वर्ष में ये उपलब्धियाँ महाविद्यालय की प्रगतिशील सोच और समाज की सहभागिता दोनों का सुंदर संगम बन गई।

दिनांक 11 अक्टूबर 2025 को सम्पन्न हुए इस स्वर्ण जयंती समारोह का सबसे पवित्र और भावनात्मक क्षण था महाविद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष, सिद्धपीठ भुड़कुड़ा के 10वें महंथ श्री महंथ रामाश्रय दास जी महाराज की प्रतिमा का अनावरण।

यह प्रतिमा संस्थान के मूल्यों-सेवा, संस्कृति, मर्यादा और शिक्षा-की जीवंत स्मृति है। इस अवसर पर सिद्धपीठ के वर्तमान पीठाधीश्वर महंथ श्री शत्रुघ्न दास जी महाराज की सान्निध्यता ने समारोह को दिव्यता प्रदान की। उनके आशीर्वचन ने यह पुनः स्मरण कराया कि शिक्षा केवल डिग्री नहीं, बल्कि जीवनदर्शन-, समर्पण और समाज के प्रति जिम्मेदारी की वह निरंतर साधना है, जो पीढ़ियों तक भविष्य निर्माण करती है।

स्वर्ण जयंती समारोह में जिले और प्रदेश के कई प्रख्यात व्यक्तित्वों की उपस्थिति ने इस आयोजन की प्रतिष्ठा को अद्वितीय बनाया। इनमें जिले के प्रभार मंत्री श्री रविन्द्र जायसवाल, राज्यसभा सांसद श्रीमती संगीता बालवंत, क्षेत्रीय विधायक श्री बेदी राम, विधान परिषद सदस्य श्री चंचल सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती साधना सिंह, कुलपति प्रो . वंदना सिंह तथा विश्वविद्यालय एवं शिक्षा परिषद के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। उनकी उपस्थिति ने न केवल कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई, बल्कि महाविद्यालय की उपलब्धियों और योगदान की व्यापक स्वीकृति को भी परिलक्षित किया।

स्वर्ण जयंती विशेषांक 'अपराजिता' महाविद्यालय की पचास वर्षीय बौद्धिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक यात्रा का सजीव दस्तावेज है। देश के विभिन्न राज्यों के राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों, कुलपतियों, कुलसचिवों, विद्वानों और प्रतिष्ठित नागरिकों के शुभकामना संदेशों ने इस विशेषांक को राष्ट्रीय स्तर पर गरिमा प्रदान की। सम्पादक मंडल और सहयोगी संकाय ने अत्यंत अल्प समय में जिस निष्ठा, परिश्रम और सूझबूझ से इस विशेषांक को पूर्ण रूप दिया, वह अत्यंत प्रशंसनीय है और महाविद्यालय की रचनात्मक परंपरा का प्रमाण भी।

माननीय मुख्यमंत्री जी के आगमन को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने जिस सजगता, तत्परता और अनुशासन के साथ स्वर्ण जयंती समारोह की तैयारियाँ संपन्न कीं, वह अनुकरणीय है। सुरक्षा, प्रोटोकॉल, यातायात, विद्युत, स्वास्थ्य और साफ-लेकर आयोजन के सूक्ष्म प्रबंध तक सभी सफाई से विभागों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। जिला प्रशासन की इस साझेदारी ने समूचे समारोह को सुव्यवस्थित, व्यवस्थित और गरिमापूर्ण बनाए रखने में निर्णायक भूमिका निभाई। महाविद्यालय परिवार जिला प्रशासन के इस सहयोग के लिए हृदय से कृतज्ञ है।

महाविद्यालय के संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों ने जिस समर्पण, निष्ठा और परिश्रम के साथ स्वर्ण जयंती समारोह को सफल बनाने हेतु अथक प्रयास किए, वह प्रशंसनीय है। 11 अक्टूबर 2025 से कई सप्ताह पहले से ही सभी संकाय सदस्य विभिन्न समितियों में सक्रिय थे-आतिथ्य व्यवस्था से लेकर मंच संचालन, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी से लेकर परिसर व्यवस्थापन, सजावट, मीडिया समन्वय-हर स्तर पर उन्होंने अपनी भूमिका उत्कृष्ट ढंग से निभाई। विद्यार्थियों का उत्साह और अनुशासन विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। स्वर्ण जयंती समारोह ने विद्यार्थी समुदाय में नेतृत्व, टीमवर्क और आत्मविश्वास की भावना को नए आयाम दिए। यह आयोजन महाविद्यालय परिवार में एकता, सजगता और मिशन भावना का-सशक्त उदाहरण बन गया।

11 अक्टूबर 2025 को सम्पन्न स्वर्ण जयंती समारोह न केवल अतीत का उत्सव था, बल्कि भविष्य के संकल्पों का उद्घोष भी। यह आयोजन पुनः स्मरण कराता है कि यह संस्थान किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक चेतना, सहयोग और विश्वास का प्रतीक है। मैं सभी अतिथियों, महंथ जी महाराज, जिला प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, समाज के शुभचिंतकों, पूर्व छात्रों, विद्यार्थियों और संकाय साथियों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

विशेष रूप से 'अपराजिता' के संपादक मंडल को बधाई देता हूँ, जिन्होंने अत्यंत अल्प समय में उच्च गुणवत्ता वाले विशेषांक को प्रकाशित करने के

तुरंत बाद इस के एक और अंक को प्रकाशित करने में अपनी प्रतिभा और निष्ठा का उत्कृष्ट परिचय दिया। मुझे विश्वास है कि यह स्वर्ण जयंती समारोह आने वाले वर्षों में महाविद्यालय को नई ऊँचाइयों की ओर ले जाने वाली प्रेरणा का स्रोत सिद्ध होगा, और 'अपराजिता' की यह परंपरा भविष्य में भी इसी गरिमा और उत्कृष्टता के साथ महाविद्यालय की वैचारिक पहचान को समृद्ध करती रहेगी।

* * *